राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 291

25 फरवरी, 2015 को उत्तर के लिए

चीन से आयातित सस्ते/घटिया गुणवत्ता वाले इस्पात का प्रभाव

291. श्री धीरज प्रसाद साहू:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या चीन से सस्ते/घटिया गुणवत्ता वाले इस्पात के आयात के कारण स्वदेशी इस्पात उत्पादन को बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और चालू वर्ष में चीन से इस्पात का कितना आयात किया गया;

(ग) क्या इस संबंध में इस्पात निर्माताओं और अन्य हिस्सेदारों के साथ कोई परामर्श किया गया है;

(घ) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं; और

(ङ) सरकार द्वारा ऐसे आयात से स्वदेशी इस्पात उद्योग के हितों की रक्षा हेतु क्या सुधारक कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का विचार है?

उत्तर

इस्पात और खान राज्य मंत्री श्री विष्णु देव साय

(क) और (ख): विश्व इस्पात उद्योग सामान्यत: कठिन दौर से गुजर रहा है। इसी प्रकार घरेलू इस्पात उद्योग में भी मंदी आई है। अतिरिक्त क्षमता/ उत्पादन होने तथा चीन में मांग की कमी होने के कारण चीन का इस्पात भारत समेत विभिन्न देशों में जा रहा है।

अप्रैल, 2014 से जनवरी, 2015 के दौरान भारत में लगभग 8.1 मिलियन टन इस्पात के आयात में से लगभग 2.9 मिलियन टन का आयात चीन से हुआ है।

(ग) से (ड.): घरेलू इस्पात निर्माता और हित धारक सामान्य रूप से आयातों का और विशेष रूप से चीन से होने वाले आयातों का विरोध कर रहे है।

इस्पात एक नियंत्रण मुक्त क्षेत्र है। तथापि, यह सुनिश्चित करने के लिए कि भारत में केवल गुणवत्तापरक इस्पात का ही आयात हो, इस्पात मंत्रालय ने दिनांक 12 मार्च, 2012 को ''इस्पात और इस्पात उत्पाद (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश'' अधिसूचित किया है। यह आदेश अंतिम बार दिनांक 04.12.2014 को संशोधित किया गया है।

***